

न्यायमूर्ति तात्यासाहेब आठल्ये कला, वेदमूर्ती शं.रा.सप्रे वाणिज्य व विधीज्ञ.दादासाहेब.विज्ञान
महाविद्यालय, देवरुख.जिला. रत्नागिरी.

हिंदी विभाग अध्ययन मंडल सभा कार्यवृत्त-- शैक्षणिक वर्ष 2022 -23

बुधवार तिथि 16 मई 2022 के दिन महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की चौथी सभा का आयोजन किया गया। प्रस्तुत सभा में अध्ययन मंडल के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1. डॉ. अनिलकुमार सिन्ह(हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई विश्वविद्यालय के के कुलगुरु नियुक्त सदस्य)
2. डॉ. विजयकुमार रोडे (अन्य विश्वविद्यालय सदस्य)
3. डॉ (अन्य विश्वविद्यालय सदस्य) बलवंत जेऊरकर .
4. प्रा .दिवाकर पाटणकर(महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक सदस्य)
5. श्रीयुत) बलवंत नलावडे.माजी विद्यार्थी प्रतिनिधि(
6. डॉ .राहुल मराठे) नजदीकी महाविद्यालय सदस्य)
7. डॉ .वर्षा फाटक(महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक सदस्य)

यह सभा तिथि 16 मार्च के दिन सुबह 11:00 बजे से 1:00 बजे तक चली। इस सभा में उपर्युक्त सदस्यों की उपस्थिति में कार्यपत्रिका के निम्नलिखित विषयों पर विचार विनिमय किया गया।

सबसे पहले हिंदी अध्ययन मंडल की अध्यक्ष प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने सभी उपस्थित सदस्यों का महाविद्यालय शैक्षणिक संस्था तथा हिंदी विभाग की ओर से मनःपूर्वक स्वागत किया।

शैक्षणिक वर्ष [2021- 22](#) की यह सभा प्रथम वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 1 पाठ्यक्रम को तैयार करने के आयोजित की गयी थी। साथ में ही प्रथम वर्ष कला, द्वितीय वर्ष कला तथा तृतीय वर्ष कला के बच्चों के लिए क्रमशः 3+ 3 + 4 + 2 के कुल मिलाकर 12 क्रेडिट कोर्स के लिए जो पाठ्यक्रम बनाया है उसपर विचार विनिमय करके उसकी अनुमति लेना।

क्रमवार विषय कार्यपत्रिका—

1 पिछली सभा के कार्यक्रमों को पढ़कर अनुमति लेना।

2 शैक्षणिक वर्ष और [2021-22](#) से प्रथम वर्ष कला के हिंदी पेपर नंबर 1, के सेमिस्टर नंबर 1 तथा सेमिस्टर 2 के पाठ्यक्रम में बदलाव को निश्चित करने पूर्व आजी तथा माजी विद्यार्थी, उनके पालक, शिक्षक आदियों की ओर से पिछले अध्ययन के ऊपर प्राप्त अभिप्राय के मद्देनजर पाठ्यक्रम को तैयार करने के बारे में विचार विनिमय करना।

- 3 जिस स्थान पर महाविद्यालय है उसकी स्थानीय आवश्यकताओं को देखकर उसका समावेश पाठ्यक्रम में किया जाए।
4. प्रथम वर्ष कला की सेमिस्टर 2 के लिए तैयार किए 3 क्रेडिट के कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना।
- 5 द्वितीय वर्ष कला की सेमिस्टर 3 के लिए तैयार किए 3 क्रेडिट के कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना।
- 6 तृतीय वर्ष कला की सेमिस्टर 5 के लिए तैयार किए 4 क्रेडिट के थेअरी के लिए" दृक श्रव्य माध्यम" कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना।
- 7 तृतीय वर्ष कला की सेमिस्टर 6 के लिए तैयार किए 2 क्रेडिट के प्रैक्टिकल कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना।
- 8 बच्चों के अंतर्गत मूल्यमापन_लिए कुछ कार्यशालाओं का आयोजन करना।

प्रस्तुत सभा में कार्य-पत्रिका में समाविष्ट उपर्युक्त विषय पर क्रमवार चर्चा तथा विचार विनिमय हुआ।

जैसे----

विषय क्रमांक 1

पिछली सभा के कार्यवृत्त को पढ़कर अनुमति लेना।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में तृतीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 1 2 और 3 के लिए जो पाठ्यक्रम किया गया था जिस पर अंतर्गत मूल्यमापन तथा बाह्य मूल्यमापन आदि विषय के साथ साथ बच्चों के लिए कौशल्याधिष्ठीत तथा मुल्याधिष्ठीत कोर्स लेने के बारे में जो प्रस्ताव मंजूर हुए थे। इस पर लिखे दिनांक 5 मई 2021 को हुए बैठक के कार्यवृत्त को अनुमति मिल गई।

विषय क्रमांक 2—

शैक्षणिक वर्ष और 2021-22 से प्रथम वर्ष कला के हिंदी पेपर नंबर 1, के सेमिस्टर नंबर 1 तथा सेमिस्टर 2 के पाठ्यक्रम में बदलाव को निश्चित करने पूर्व आजी तथा माजी विद्यार्थी, उनके पालक, शिक्षक आदियों की ओर से पिछले अध्ययन के ऊपर प्राप्त अभिप्राय के मद्देनजर पाठ्यक्रम को तैयार करने के बारे में विचार विनिमय करना।

प्रस्ताव--

प्रस्तुत विषय को लेकर प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने स्वायत्त महाविद्यालय में अध्ययनक्रम बदलने के नियम तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से दी गई मार्गदर्शक सूचनाएं क्या है, इसके बारे में सभा को जानकारी दी और कहा कि आजी तथा माजी विद्यार्थी, उनके पालक, शिक्षक आदियों की ओर से पिछले अध्ययन के ऊपर प्राप्त अभिप्राय के मद्देनजर पाठ्यक्रम को तैयार करने के बारे में कहा जाए तो हमारे प्रथम वर्ष कला और द्वितीय वर्ष कला तथा तृतीय वर्ष कला इन तीनों सालों के 6सेमिस्टरों के पाठ्यक्रम बढ़िया रहे हैं। बच्चों की क्षमता और भविष्यकाल की संभावनाएं इन दोनों दृष्टियों से सफल रहे हैं। इसके लिए सभी सदस्यों का मनःपूर्वक धन्यवाद।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने यह भी स्पष्ट किया कि--

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शक सूचनाओं के अनुसार हमारे पालक विश्वविद्यालय मुंबई विश्वविद्यालय की हिंदी अभ्यास मंडल की ओर से बने पाठ्यक्रम में हम 30% तक बदलाव कर सकते हैं अतः इस संदर्भ में चर्चा हो ।

इस विषय को लेकर समिति के सदस्य और मुंबई विश्वविद्यालय अध्ययन मंडल के अध्यक्ष सम्मानीय डॉक्टर अनिल कुमार सिंह कहां कि आपके महाविद्यालय के साथ-साथ तीनों साल मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग का पाठ्यक्रम बन रहा है । अतः इस साल भी विश्वविद्यालय का प्रथम वर्ष कला का पाठ्यक्रम बदलने वाला नहीं है क्योंकि विश्वविद्यालय में जैसे ही पाठ्यक्रम तैयार हुआ वैसे ही कोरोना पेंड्यामिक की स्थिति निर्माण हुई इसीलिए बच्चे ठीक तरीके से इस पाठ्यक्रम का अध्ययन नहीं कर सके । इसीलिए मुंबई विश्वविद्यालय की ओर से वही पाठ्यक्रम आने वाले सालों के लिए रखा जाएगा ।

प्रस्तुत विषय के विषय को लेकर डॉक्टर वर्षा पाठक नई यही पाठ्यक्रम ठीक है और हम भी किसी भी प्रकार का बदलाव न करते हुए मुंबई विश्वविद्यालय के साथ यही पाठ्यक्रम रख सकते हैं अतः इस बात को मंजूरी दी जाए इस विषय पर बहुत विचार विनिमय होने के बाद यह तय हुआ कि यही पाठ्यक्रम रखा जाएगा ।

सूचक --डॉ. वर्षा पाठक

अनुमोदक -डॉ.बलवंत जेऊरकर

विषय क्रमांक 3—

जिस स्थान पर महाविद्यालय है उसकी स्थानीय आवश्यकताओं को देखकर उसका समावेश पाठ्यक्रम में किया जाए ।

प्रस्ताव--

महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की अध्यक्ष प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने इस विषय को लेकर मुद्दा रखा कि यहां पर कुछ मूल्यों में कुछ उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश है इस दृष्टि से पाठ्यक्रम में बदलाव हो सकता है ।

इस विषय को लेकर डॉक्टर राहुल मराठे जी ने एक बात उठाई कि इन ग्रामीण भागों में कुछ लोग खुद ही नाटकों की संहिता लिखते हैं और उसे प्रस्तुत करते हैं इन नाटकों का हिंदी में अनुवाद हो सकता है दोनों बातें सफल हो जाएगी।

डॉ राहुल मराठे ने इस प्रस्ताव को लेकर विचार विनिमय हुआ -

उपर्युक्त विषय को लेकर बच्चे स्थानिक संगमेश्वरी बोलने वाले मुस्लिम लोगों के बीच का उनके परस्पर होने वाले वार्तालाप में हिंदी तथा उर्दू के शब्दों का संग्रह पर क्षेत्रीय अध्ययन हो सकता है ।

सूचक ----राहुल मराठे

अनुमोदक --श्री बलवंत नलावडे

विषय क्रमांक 4.—

प्रथम वर्ष कला की सेमिस्टर 2 के लिए तैयार किए 3 क्रेडिट के कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना।

इस विषय के अंतर्गत प्राध्यापिका स्नेह लता पुजारी ने यह स्पष्ट किया कि हमारे छात्रों का पदवी का अंतिम प्रमाण पत्र 132 क्रेडिट का होना जरूरी है और इसीलिए हम नहीं प्रथम वर्ष कला के दूसरे सत्र में 3 क्रेडिट का एक कोर्स तीय वर्ष के तीसरे सत्र में 3 क्रेडिट का एक कोर्स तथा तृतीय वर्ष के पांचवें सत्र में 4 क्रेडिट की आखिरी पेपर और तृतीय वर्ष के छठे सत्र में दो क्रेडिट का साक्षी का उनका प्रैक्टिकल पेपर रखा गया है। इसीलिए शैक्षणिक वर्ष **2022 23** में प्रथम वर्ष कला के लिए तीन क्रेडिट क्रेडिट का कौशल्याधिष्ठित एक प्रश्न पत्र जिसका नाम "आलेखन और पत्रलेखन है।"

इस विषय पर डॉक्टर अनिल कुमार सिन्हा ने अपना मत व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे बच्चे भले ही किसी सा शासकीय कार्यालय में चुने जाए या फिर मुंबई जैसे शहरों में किसी कंपनी में चुने जाए वहां के प्रशासकीय कार्यालय के लिए इस प्रकार के तब व्यक्ति की जरूरत होती है जो अच्छी तरह से टिप्पण, आलेखन, पल्लवन तथा विविध प्रकार के गैर सरकारी तथा सरकारी पत्रों का मसूदा तैयार करें। इसीलिए यह प्रश्न पत्र महत्वपूर्ण और व्यवहारिक है।

अतः हिंदी अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों ने इस प्रश्न पत्रों को और इसके पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान की।

सूचक-----डॉ अनिलकुमार सिन्हा

अनुमोदक-----डॉ बलवंत जेऊरकर

विषय क्रमांक 5 –

द्वितीय वर्ष कला की सेमिस्टर 3 के लिए तैयार किए 3 क्रेडिट के कौशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना ।

प्रस्तुत विषय के संदर्भ में प्राध्यापिका स्नेह लता पुजारी ने यह बात बताई कि द्वितीय वर्ष कला के बच्चों के लिए तृतीय सेमेस्टर में "अनुवाद सिद्धांत तथा व्यवहार" इस नाम से कौशल्याधिष्ठीत प्रश्नपत्र तैयार किया है। जिसमें अनुवाद क्या है मुल्याधिष्ठीत अनुवाद किसे कहा जाता है ,अनुवाद के विविध रूप क्या है, अनुवादक के गुण और दोष क्या है ,अनुवाद में कौन-कौन सी बातों का अध्ययन करना जरूरी होता है। आदि बातों के साथ-साथ बच्चों को विविध क्षेत्र जैसे बैंकिंग वाणिज्य विधि व्यापार बाजार विविध समाज माध्यम आदि अनुवाद के कौन से स्रोत उपलब्ध है जिसके जरिए बच्चे रोजगार उपलब्ध करा सकता है। इसीलिए इस पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान की जाय।

इसी विषय के बात की पुष्टि देते हुए हिंदी अध्ययन मंडल के सम्मानीय सदस्य डॉक्टर बलवंत जेऊरकर ने कहा कि आज अनुवाद के क्षेत्र में विश्वभर में व्यवसाय की तथा रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध है। इस दृष्टि से हमें इस पाठ्यक्रम को देखना जरूरी है साथ ही हम बच्चों को एक बहुत बड़ा अनुवादक ना सही बल्कि अनुवाद के कौन-कौन से क्षेत्र में वह कार्य कर सकता है। और उसके लिए कौन सा क्षेत्र योग्य है इसका चुनाव बचा कर सकता है बस इन पाठ्यक्रम के जरिए हम बच्चों को दिशा निर्देशन कर सकते हैं।

प्रस्तुत विषय को लेकर हिंदी अध्ययन मंडल में विचार विनिमय के साथ-साथ इस कौशल्या दृष्टि पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान की गई।

सूचक--- प्रा. स्नेहलता पुजारी
अनुमोदक --डॉ.बलवंत जेऊरकर

विषय क्रमांक 6 –

तृतीय वर्ष कला की सेमिस्टर 5 के लिए तैयार किए 4 क्रेडिट के थेअरी के लिए" दृक श्रव्य माध्यम" कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना ।

प्रस्तुत विषय को लेकर डॉक्टर वर्षा पाठक ने यह बात बताई कि प्रस्तुत पाठ्यक्रम को"दृक श्रव्य माध्यम" लेकर तैयार किया गया पाठ्यक्रम है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में रेडियो दूरदर्शन तथा सिनेमा टेली फिल्म शॉर्ट फिल्म सिमेट्री आदि का परिचय किया कराया जाएगा जिसके माध्यम से बच्चों को उनकी पसंदीदा क्षेत्र समझ में आ जाएगा और इस दृष्टि से वह आगे जाकर अपना दीया निश्चित कर पाएंगे।

इस विषय को पुष्टि देने के लिए डॉ राहुल मराठे ने यह कहा कि बहुत सारे बच्चों के बीच में कोई न कोई टैलेंट जरूर होता है और इस दृष्टि से बच्चों को इस विषय के अंतर्गत योग्य मार्गदर्शन करने वाले अनुभवी लोग मिलेंगे और उन्हें एक नई दिशा प्रदान की जाएगी। प्रस्तुत विषय पर विचार विनिमय करके इस कौशल्या दृष्टि 4 क्रेडिट के 3 पेपर को अनुमति प्रदान की गई।

सूचक --डॉ. वर्षा फाटक

अनुमोदक --डॉ राहुल मराठे

विषय क्रमांक 7 –

तृतीय वर्ष कला की सेमिस्टर 6 के लिए तैयार किए 2 क्रेडिट के प्रैक्टिकल कोशल्याधिष्ठित पाठ्यक्रम को अनुमति प्रदान करना ।

प्रस्तुत विषय को लेकर इस सभा में आमंत्रित सदस्य 28 अप्रैल पित्रे महाविद्यालय के अंग्रेजी के प्रा. दिवाकर पाटणकर यह बताया कि खैरी पेपर में जिन जिन माध्यमों का विवेचन हुआ है उसका बच्चों से व्यवहारिक प्रस्तुतीकरण करके लिया जाएगा पर इस दृष्टि से बच्चे खुद पहचान पाएंगे कि उनके बीच में कौन सा गुण विद्यमान है।

इस विषय को लेकर डॉ अनिल सिंह ने इस बात की पुष्टि दे दी कि यह विषय अच्छा है बच्चे जरूर इस पाठ्यक्रम का मजे से खुशी से अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुत विषय पर विचार विनिमय करके इस दो क्रेडिट वाले प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम को सभा ने अनुमति प्रदान की।

विषय क्रमांक -8

बच्चों के अंतर्गत मूल्यमापन_लिए कुछ कार्यशालाओं का आयोजन करना।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने एक बात रखी की हिंदी विभाग की ओर से बच्चों के व्यक्तिमत्व विकास के लिए यहां के नजदीकी पंत वालावलकर हॉस्पिटल की ओर से आयोजित किए जाने वाले मूल्याधिष्ठित और कौशल्याधिष्ठित शिविरों में बच्चों को भेजा जाता है । प्रस्तुत विषय पर विचार विनिमय होने के बाद प्रस्तुत विषय को अनुमति प्राप्त है।

सूचक --प्रा. स्नेहलता पुजारी

अनुमोदक --प्रा. दिवाकर पाटणकर

उपर्युक्त विषय के अनुमति के बाद डॉक्टर वर्षा भटकने इस क्रेडिट कोर्स के लिए मूल्यमापन की क्या व्यवस्था हो सकती है इसे स्पष्ट किया यहां तेरी के लिए 30 और प्रैक्टिकल के लिए 70 इस प्रकार अंतर्गत और बाह्य मूल्यांकन होगा और इस दृष्टि से बच्चों का निरंतर मूल्यमापन होगा यह बात स्पष्ट की।

प्रस्तुत विषय को डॉ अनिल सिंह की ओर से पुष्टि मिली और सभी ने इस मूल्यांकन व्यवस्था को अनुमति प्रदान की।

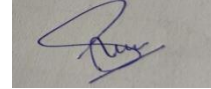
सूचक-- डॉ.वर्षा फाटक

अनुमोदक --डॉ.अनिल सिंह

उपर्युक्त विषय को लेकर डॉक्टर वर्षा फाटक में यह कहा कि हमने उपर्युक्त पाठ्यक्रम हिंदी मराठी और अंग्रेजी सभी बच्चों के लिए बनाया है सिर्फ माध्यम उस कोर्स के बच्चों को जो वह चाहता है वही माध्यम होगा। अतः सभा तीनों भाषाओं को मिलकर प्रस्तुत पाठ्यक्रम तीनों कक्षाओं के लिए पूरा करने की अनुमति प्रदान करें।

अतः प्रस्तुत विषय को लेकर सभा की ओर से अनुमति प्रदान की गई।

इसी तरह उपर्युक्त विषयों पर अच्छी तरह से विचार विनिमय होकर पाठ्यक्रम किस प्रकार बदलना है कौन सी बातों को इसमें समाविष्ट करना है। इसके बारे में प्राध्यापिका पुजारी ने एक बार अल्प परिचय दिया और उपस्थित सम्मानीय सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त करके साथ ही माननीय प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र तेंडोलकर जिनका मार्गदर्शन समय-समय पर मिलता है इन्हीं भी धन्यवाद देकर यह सभा संपन्न हुई।



प्रा. स्नेहलता स. पुजारी
(अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल)